युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज के 51वीं एवं राष्ट्रसंत महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के छठवीं पुण्यतिथि

के उपलक्ष्य में आयोजित

प्रेस विज्ञप्ति

गोरखपुर 1 सितम्बर, 2020। **युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के 51वीं एवं राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के 6वीं पुण्यतिथि** के अवसर पर आज दूसरे दिन **'स्वच्छ भारत अभियान एवं हमारा स्वास्थ्य'** विषय पर अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में **गोरक्षपीठाधीश्वर परमपूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज** ने कहा कि स्वच्छ समाज समृद्ध राष्ट्र का आधार है। भारत के ऋषियों एवं मुनियों के जीवन में स्वच्छता सदा से ही महत्वपूर्ण रही है। महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने स्वच्छता और पर्यावरण को अपने जीवन का ध्येय बनाया। आज वर्तमान की केन्द्र व उत्तर प्रदेश की सरकारें स्वच्छ भारत के मिशन से ही एक समृद्ध व सशक्त भारत के निर्माण में भगीरथ योगदान कर रहीं हैं। स्वच्छता एवं पर्यावरण पूज्य महाराजद्वय के सम्पूर्ण जीवन दर्शन में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। समाज के लिए आज यह बहुत ही आवश्यक है कि भारतीय ऋषि एवं संत परम्परा में शुद्धि के मूल्यों एवं आदर्शों को अपनाकर स्वच्छ एवं स्वस्थ्य समाज का निर्माण करने में सहयोग करे।

भारतीय मनीषा ने प्राचीन काल से ही स्वच्छता को महत्वपूर्ण स्थान दिया व स्वच्छता को प्राचीन काल से ही जीवन का हिस्सा बनाया। गोरक्षपीठ ने भी इस शुद्धि का विशेष महत्व रहा है। गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज और महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज के जीवन दृष्टि में स्वच्छता एवं वातावरण शुद्धता कण–कण में दिखाई देती है। भारत सरकार का स्वच्छ भारत मिशन अभियान एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसने व्यक्तिगत और पारिवारिक जीवन में स्वच्छता के साथ–साथ खुले में शौच से समाज को मुक्त किया है। पिछले 6 वर्षो में 10 करोड़ से अधिक शौचालय निर्माण ने केवल एक रिकार्ड है वरन् सरकार के स्वच्छता के प्रति स्पष्ट दृष्टि का परिचायक भी है। इसके माध्यम से चर्म रोग, विषाणु जनित तमाम रोग को नियंत्रित करने का पुण्य अवसर तो मिला ही है साथ–साथ एंसिफ्लाइटिस जैसे असंभव दिखने वाले महामारी पर भी विजय प्राप्त करने में बहुत सहयोगी साबित हुआ। इस दृष्टि से स्वच्छता का अमूल्य महत्व है। स्वच्छता केवल सरकार का कार्य ही नहीं है बल्कि व्यक्ति, परिवार और समाज की एक–एक ईकाई को इस अभियान के साथ जोड़कर आगे बढ़ाया जाना चाहिए। स्वच्छ भारत मिशन के अनेक व्यापक परिणाम प्राप्त हुए हैं। सरकार के इस अभियान के सुखद परिणाम से स्वस्थ्य और सुन्दर समाज का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। समूह भाव से किया गया कार्य न केवल परिणामकारी होगा वरन् श्रेष्ठ जीवन की सफलता का मंत्र भी है। स्वच्छता से विचारों में शुद्धता और सकारात्मक सोच का निर्माण ही मजबूत और समृद्ध राष्ट्र का मुख्य आधार बनेगा। वर्तमान वैश्विक कोविड–19 जैसी महामारी को भी नियंत्रित करने में भारत अपने इसी स्वच्छता और शुद्धि के गौरवशाली परम्परा के कारण सफल रहा है। नियम और बचाव से संयम और सतर्कता से इस महामारी से भारत लड़ने में सफल हो रहा है। इतने बड़े देश को बचाने मे एक–एक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है। भारत में स्वच्छता सम्बन्ध सीधे तौर पर आध्यात्मिका से है। गांधी जी भी स्वच्छता को जीवन का मुख्य हिस्सा मानते थे और अपने सम्पूर्ण कार्य पद्धति में स्वच्छता और संयम को महत्व देते थें। स्वच्छता के इसी महत्ता को भारत की ऋषि परम्परा से लेकर वर्तमान केन्द्र सरकार तक के अभियान में स्वीकार किया गया है।

मुख्य वक्ता **डॉ0 जी0एन0 सिंह पूर्व औषधि महानियंत्रक भारत सरकार** ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी जी द्वारा प्रारंभ की गई स्वच्छता अभियान मानव समाज को नई दिशा प्रदान कर रही है स्वास्थ्य एवं स्वच्छता दोनों जीवन के महत्वपूर्ण अंग हैं यदि जीवन से स्वच्छता चली गई तो हम अच्छे स्वास्थ्य की कल्पना नहीं कर सकते हमारे ऋषियों, महर्षियों तथा गोरक्षपीठ के संत स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति हजारों वर्षों से लोगों को जागरूक करते आ रहे हैं।

प्रत्येक घर में शौचालय हो इसके लिए प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री जी देश व प्रदेश के सभी घरों में शौचालय बनवा कर स्वच्छता के क्षेत्र में बहुत बड़ा काम किया है। इस प्रकार इन महापुरुषों के परिश्रम से उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बनता जा रहा है। मस्तिष्क ज्वर जैसे पानी से जनित बीमारियों को समाप्त करने हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जो प्रयास किया गया वह सराहनीय है छोटे–छोटे बच्चे जो भारत के भविष्य हैं उनको बचा कर सराहनीय कार्य किया है। कोरोना का स्वच्छता ही सबसे बड़ा उपाय है केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा स्वच्छता मुहिम पहले से ही चला देने के कारण कोरोना जैसे महामारी को नियंत्रित करने में हम कुछ हद तक कामयाब हैं।

विशिष्ट वक्ता **स्वास्थ्य सेवाएं भारत सरकार नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक डॉ0 आर के0 श्रीवास्तव** ने कहा कि स्वास्थ्य एवं स्वच्छता दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। हमारी केंद्र व प्रदेश की सरकारें काम कर रही हैं आम जनमानस को भी इसके प्रति जागरूक होकर काम करने की आवश्यकता है। जहां तक गोरक्षपीठ का सवाल है गोरक्षपीठ प्रारंभ से ही स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित करती आ रही है। स्वच्छता के लिए हम सभी को गोरक्ष पीठ से सीखने की आवश्यकता है।

स्वच्छ भारत अभियान, भारत के माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा चलाया गया एक अभिनव अभियान है जो पूरे भारत को स्वस्थ बनाने में मील का पत्थर साबित हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज द्वारा स्वच्छता पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है जो देश व समाज को स्वच्छ करने में लोगों को जागरूक कर रहा है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति प्रो0 उदय प्रताप सिंह जी ने कहा कि जहां स्वच्छता होती है वहां देवताओं का निवास होता है। स्वच्छता एक ईश्वरीय आह्वान है। स्वच्छता हमारा कर्तव्य व धर्म भी है। गांव, घर, क्षेत्र व देश में स्वच्छता हो तो निश्चित रूप से हम स्वस्थ होंगे। आन्तरिक व वाह्य सम्पूर्ण वातावरण स्वच्छ हो, इस हेतु हमें स्वच्छता को अपने जीवन का ध्येय बनाना चाहिए। हम ऐसे भारत की कल्पना करते हैं कि जहां हर व्यक्ति सामाजिक, मानसिक, बौद्धिक और शारिरीक रूप से स्वस्थ व समृद्ध हो।

मंच पर प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, देवीपाटन के महन्त मिथलेशनाथ जी व प्रो0 उदय प्रताप सिंह उपस्थित रहें। वैदिक मंगलचारण डॉ0 रंगनाथ त्रिपाठी और गोरक्षाष्टक पाठ प्रांजल त्रिपाठी तथा संचालन डॉ0 श्रीभगवान सिंह ने किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ0 प्रदीप राव, डॉ0 शैलेन्द्र सिंह, डॉ0 अरविन्द चतुर्वेदी, डॉ0 पवन पाण्डेय, डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह, डॉ0 अभिषेक पाण्डेय, बृजेश मणि मिश्र, विनय गौतम, डॉ0 प्रांगेश मिश्र आदि का विशेष सहयोग रहा।